नादे अली कबीर

नादे अली कबीर

इसमें कई लाख दुआ के जुमले आए हैं। इसकी ख़ासियत दुआ–ए–नूर के नाम के रिसाले में लिखी है।

1. अदासी के वक़्त सात मर्तबा पढ़े।
2. ज़ालिम हाकिम के पास जाना हो तो तीन मर्तबा पढ़े और अपने ऊपर दम करके जाए।
3. फ़रज़न्द की ख़ाहिश रखने वालों को हमेशा दस मर्तबा पढ़ना चाहिए।
4. किसी को ताबए करना हो तो शबे जुमा से तहारत के

अकबरु अल्लाहु अकबरु अल्लाहु अकबरु अना मिन शर्रि अअ्–दाइ–क बरीउन बरीउन अल्लाहु स–म–दी बि–हक़्क़ि इय्या–क नअ्–बुदु व इय्या–क नस्तईनु या अबल–ग़ैसि अग़िस्नी या अलिय्यु अदरिकनी या क़ाहिरल–अदूवि या वालियल वलिय्यि या मज़हरल अजा–इबि या मुर्तज़ा अलिय्य या क़ह्हारु तक़ह्–हर–त बिल–क़हरि वल–क़हरु फ़ी–क़हरि क़ह–रि–क या क़ह्हारु या ज़ल बतशिश्–शदीदि अन्तल क़ाहिरुल जब्बारुल मुहलिकुल मुन–तक़िमुल क़वियुल्लज़ी ला–युताकु इन्तिक़ामुहू व उफ़्वविजु अम्री इलल्लाहि इन्नल्ला–ह बसीरुन बिल–इबादि व इलाहुकुम इलाहुंव्वाहिदुन ला इलाहा इल्ला हुवर्–रहमानुर–रहीमु हसबियल्लाहु व नेअ्मल वकीलु व नेअ्मल मौला व नेअ्मन नसीरु या ग़ियासल मुस्तग़ीसी–न अग़िस्नी या अरहमल–मसाकी–न इरहम्नी या अलिय्यु अदरिकनी या अलिय्यु अदरिकनी बि–रह–मति–क व मन्नि–क व जूदि–क या अर–हमर–राहि–मीन।

Ayateshifa.in